A–0455

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MASL–604

M.A. Sanskrit (MASL)

नाटक एवं नाटिका भाग-01

Examination, 2026 (Feb.)

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. नाट्य शब्द का अर्थ बताते हुए उसके उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

2. मृच्छकटिकम् के प्रतिनायक शकार की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

3. मृच्छकटिकम् के नायक चारुदत्त के सिद्धान्तों का सविस्तार विवेचन कीजिए।

4. भास का सामान्य परिचय देते हुए उनके नाटकों की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

5. मृच्छकटिकम् की कथावस्तु और नाट्यगत विशेषताओं पर एक निबन्ध लिखिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. निम्नलिखित श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

यासां बलिः सपदि मदृहदेहलीनां,

हंसैश्च सारसगणेश्च विलुप्तपूर्वः।

तास्वैव संप्रति विरूढतृणांक रासु,

बीजान्जलिः पतति कीटमुखवलीढः॥

2. मृच्छकटिकम् के प्रथम अंक का सार लिखिए।

3. मृच्छकटिकम् में उद्धृत दासी पात्रों पर एक लेख लिखिए।

4. मृच्छकटिकम् के विदूषक मैत्रेय का चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

5. निम्नलिखित श्लोक की व्याख्या कीजिए–

न गणयति पराभवं कुतश्चित्हरति ददाति च नित्यमर्थजातम्।

नृपतिरिव निकाममायदर्शी विभववता समुपास्यते जनेन॥

6. राजा पालक का संक्षिप्त परिचय लिखिए।

7. मृच्छकटिकम् में वर्णित दानवीरता पर एक लेख लिखिए।

8. मृच्छकटिकम् में आर्यक के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

****